भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 121
उत्तर देने की तारीख 04.12.2023

कला संस्कृति विकास योजना का कार्यान्वयन

121. श्री भोला सिंह :
डॉ. सुकान्त मजूमदार :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार एक कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई) कार्यान्वित कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) केएसवीवाई को कार्यान्वित करते समय सरकार को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा है;
(ग) विगत चार वर्षों के दौरान केएसवीवाई के अंतर्गत कितने सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है;
(घ) क्या विगत चार वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान देश के विभिन्न भागों में अपनी स्थानीय संस्कृति के प्रचार, प्रसार और निर्माण के लिए कलाकारों को छात्रवृत्ति और मानदेय जैसी कोई वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और
(ङ) कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा अन्य कौन से कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री
(जी. किशन रेड्डी)

(क): जी, हां। संस्कृति मंत्रालय कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई) कार्यान्वित कर रहा है जिसके माध्यम से सांस्कृतिक संगठनों/व्यक्तियों को कला एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। केएसवीवाई एक समावेशी स्कीम है जिसमें सांस्कृतिक

संगठनों/व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कई स्कीमें शामिल हैं। केएसवीवाई की जिन स्कीमों के माध्यम से सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता दी जाती है, उनका ब्यौरा **अनुलग्नक-I** पर दिया गया है।

(ख) : कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई) के अंतर्गत चलाई जा रही स्कीमों में 08 मुख्य घटक और 17 उप-घटक शामिल हैं। इन स्कीम घटकों/उप घटकों को कार्यान्वित करने की प्रक्रिया में आने वाली विभिन्न चुनौतियों का समाधान सक्रिय रूप से समय पर समुचित कदम उठाते हुए सफलतापूर्वक किया जाता है।

(ग) : विगत चार वर्षों एवं वर्तमान वर्ष के दौरान वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले सांस्कृतिक संगठनों की संख्या **अनुलग्नक-II** पर दी गई है।

(घ) : जी, हां। संस्कृति मंत्रालय 'युवा कलाकारों हेतु छात्रवृत्ति की स्कीम' नामक स्कीम संचालित करता है जिसके तहत भारतीय शास्त्रीय संगीत, भारतीय शास्त्रीय नृत्य, रंगमंच, मूक अभिनय, दृश्य कला, लोक, पारंपरिक एवं स्वदेशी कलाओं और सुगम शास्त्रीय संगीत आदि के क्षेत्र में भारत में उन्नत प्रशिक्षण के लिए 18 से 25 वर्ष के आयु वर्ग में उत्कृष्ट युवा कलाकारों को दो वर्ष के लिए 5000/- रुपये प्रति माह की दर से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। विगत चार वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान देश के विभिन्न भागों में विद्वानों द्वारा उनकी स्थानीय संस्कृति का प्रचार, प्रसार और सृजन करने के लिए प्रदत्त वित्तीय सहायता का विवरण **अनुलग्नक-III** पर दिया गया है।

(ङ.) : संस्कृति मंत्रालय ने अपने संबद्ध, अधीनस्थ और स्वायत्त संगठनों के माध्यम से अपने अधिदेश अर्थात सांस्कृतिक धरोहर के परिरक्षण एवं संरक्षण तथा मूर्त और अमूर्त कला एवं संस्कृति के संवर्धन को प्राप्त करने हेतु आवश्यक कदम उठाए हैं। इसके कार्यकलाप और कार्यक्रम अनेक विस्तृत सांस्कृतिक शीर्षों के अंतर्गत किए जाते हैं यथा पुरातात्विक स्थलों, संग्रहालयों और उसकी कलाकृतियों का परिरक्षण एवं संरक्षण, सार्वजनिक पुस्तकालय, मंच कलाओं का संवर्धन एवं प्रसार, बौद्ध और तिब्बती अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध तथा सांस्कृतिक परिसरों का निर्माण आदि। विगत चार वर्षों और वर्तमान वर्ष [2019-20 से 2022-23 और वर्तमान वर्ष (अब तक)] भारतीय संस्कृति के संवर्धन हेतु किए गए मुख्य कार्यकलापों का विवरण **अनुलग्नक-IV**पर दिया गया है।

*****

अनुलग्नक-I

'कला संस्कृति विकास योजना का कार्यान्वयन' के संबंध में दिनांक 4 दिसम्बर, 2023 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 121 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई):

1. **गुरू-शिष्य परंपरा के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता (रेपर्टरी अनुदान)**

इस स्कीम का उद्देश्य नाट्य समूहों, रंगमंच समूहों, संगीत मंडलियों, बाल रंगमंच आदि जैसे मंचकला कार्यकलापों की सभी शैलियों तथा गुरु-शिष्य परंपरा के अनुरूप नियमित आधार पर कलाकारों को उनके संबंधित गुरु द्वारा प्रशिक्षण देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस स्कीम के अनुसार, रंगमंच क्षेत्र में 1 गुरु और अधिकतम 18 शिष्यों को सहायता और संगीत और नृत्य क्षेत्र में 01 गुरू और अधिकतम 10 शिष्यों को सहायता प्रदान की जाती है। सहायता की राशि- गुरु के लिए 15000/- रु. प्रतिमाह, शिष्य के लिए 2000-10000/- रुपए प्रतिमाह (कलाकारों की आयु पर निर्भर)

2. कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता स्कीम: इस स्कीम में निम्नलिखित घटक शामिल हैं :

i. **राष्ट्रीय महत्व के सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता**

इस स्कीम घटक का उद्देश्य देश में कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों का आयोजन करते हुए कला और संस्कृति के प्रचार-प्रसार पर ध्यान केन्द्रित करने वाले राष्ट्रीय महत्व के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संगठनों ('गैर-लाभ-अर्जक' संगठन, एनजीओ, सोसाइटियां, न्यास, विश्वविद्यालय आदि) को वित्तीय सहयता प्रदान करना है। यह अनुदान उन संगठनों को दिया जाता है जिनका एक सुगठित प्रबंधन निकाय हो, जो भारत में पंजीकृत हों, जो अखिल भारतीय स्तर पर प्रचालन करते हुए राष्ट्रीय महत्व के हों और जिनके पास पर्याप्त कार्यबल हो और जिन्होंने विगत पांच वर्षों में से 3 वर्षों के दौरान सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिए 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक का व्यय किया हो। इस स्कीम के तहत सहायता की राशि 1 करोड़ रुपये तक है।

ii. **सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान (सीएफपीजी)**

इस स्कीम घटक का उद्देश्य गैर-सरकारी संगठनों/सोसाइटियों/न्यासों/विश्वविद्यालयों आदि को संगोष्ठियां, सम्मेलन, शोध कार्य, कार्यशालाएं, महोत्सव, प्रदर्शनियां, विचार-गोष्ठियां, नृत्य निर्माण, नाटक-रंगमंच, संगीत आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। सीएफपीजी के अंतर्गत 5

लाख रुपए का अधिकतम अनुदान प्रदान किया जाता है जिसे विशेष परिस्थितियों में 20 लाख रुपए तक बढ़ाया जा सकता है।

iii. **हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण एवं विकास के लिए वित्तीय सहायता**

इस स्कीम घटक का उद्देश्य दृश्य-श्रव्य कार्यक्रमों के माध्यम से शोध, प्रशिक्षण तथा प्रचार-प्रसार द्वारा हिमालय की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना एवं परिरक्षित करना है। हिमालयी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राज्यों अर्थात जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। किसी संगठन के लिए निधियन की राशि प्रति वर्ष 10.00 लाख रुपए होती है जिसे विशेष मामलों में 30.00 लाख रुपए तक बढ़ाया जा सकता है।

iv. **बौद्ध/तिब्बती संगठनों के परिरक्षण एवं विकास के लिए वित्तीय सहायता**

इस स्कीम घटक के अंतर्गत बौद्ध/तिब्बती संस्कृति एवं परंपरा के प्रसार और वैज्ञानिक विकास तथा संबंधित क्षेत्रों में शोध में कार्यरत बौद्ध मठों सहित, स्वैच्छिक बौद्ध/तिब्बती संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कीम के अंतर्गत किसी संगठन को 30.00 लाख रुपए प्रति वर्ष तक निधियन प्रदान किया जाता है जिसे विशेष मामलों में 1.00 करोड़ रुपए तक बढ़ाया जा सकता है।

V. स्टूडियो थियेटर सहित निर्माण अनुदान हेतु वित्तीय सहायता

इस स्कीम घटक का उद्देश्य गैर सरकारी संगठनों, न्यासों, सोसाइटियों, सरकार द्वारा प्रायोजित निकायों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों आदि को सांस्कृतिक अवसंरचना के सृजन (अर्थात स्टूडियो थियेटर, सभागार, अभ्यास कक्ष, क्लासरूम आदि) और वैद्युत, वातानुकूलन, ध्वनिकी, प्रकाश एवं ध्वनि प्रणालियों आदि जैसी सुविधाओं के प्रावधान हेतु वित्तीय सहायता करना है। इस स्कीम घटक के अंतर्गत महानगरों में 50 लाख रुपए तक की राशि और अन्य शहरों में 25 लाख रुपए तक की अधिकतम अनुदान राशि प्रदान की जाती है।

vi. संबद्ध सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिए वित्तीय सहायता

इस स्कीम उप-घटक का उद्देश्य सभी पात्र संगठनों को संबद्ध सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिए दृश्य-श्रव्य अनुभव को संवर्धित करने हेतु परिसंपत्तियों के सृजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि उन खुले/बंद क्षेत्रों/स्थानों पर जहां बड़ी संख्या में पर्यटक/आगंतुक नियमित रूप से आते हैं और प्रमुख आयोजनों/महोत्सवों के दौरान आगंतुकों की संख्या लाखों तक पहुंच जाती है, नियमित आधार पर एवं महोत्सवों के दौरान लाइव प्रस्तुतियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया जा सके। इस स्कीम घटक के अंतर्गत, लागू शुल्कों एवं करों तथा प्रचालन

एवं अनुरक्षण (ओ एंड एम) सहित सहायता की अधिकतम राशि 5 वर्षों के लिए निम्नानुसार होगी- (i) ऑडियो : 1.00 करोड़ रुपये; (ii) ऑडियो + वीडियो : 1.50 करोड़ रुपए।

vii. स्थानीय महोत्सव और मेले

इस योजना का उद्देश्य संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव' के लिए सहायता प्रदान करना है।

3. **कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति की स्कीम** : इस स्कीम में निम्नलिखित 03 घटक हैं।

i. संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को अध्येतावृत्ति प्रदान करने की स्कीम

विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में 25 से 40 वर्ष के आयु वर्ग (कनिष्ठ) और 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग (वरिष्ठ) के उत्कृष्ट व्यक्तियों को प्रत्येक बैच वर्ष में सांस्कृतिक शोध के लिए 2 वर्ष की अवधि के लिए 10,000/- रुपये प्रतिमाह और 20,000/- रुपये प्रतिमाह की 400 तक अध्येतावृत्तियां (200 कनिष्ठ और 200 वरिष्ठ) प्रदान की जाती है। अध्येतावृत्ति चार बराबर छमाही किस्तों में जारी की जाती है।

ii विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों हेतु छात्रवृत्ति की स्कीम

प्रत्येक बैच वर्ष में 400 तक छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। इस स्कीम के अंतर्गत 18 से 25 वर्ष के आयु वर्ग के उत्कृष्ट प्रतिभावान युवा कलाकारों को भारतीय शास्त्रीय संगीत; भारतीय शास्त्रीय नृत्य, रंगमंच, मूक अभिनय, दृश्य कला, लोक, पारंपरिक और स्वदेशी कलाओं तथा सुगम शास्त्रीय संगीत आदि के क्षेत्र में भारत में उन्नत प्रशिक्षण के लिए 2 वर्षों के लिए 5000/- रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति चार बराबर छमाही किस्तों में जारी की जाती है।

iii. सांस्कृतिक शोध के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति

इस स्कीम घटक का उद्देश्य संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत विभिन्न संस्थाओं और देश में मान्यताप्राप्त अन्य सांस्कृतिक संस्थाओं को सुदृढ़ बनाना और सशक्त बनाना है ताकि विद्वानों/शिक्षाविदों को प्रोत्साहित करते हुए इन संस्थाओं के साथ आपसी हित की परियोजनाओं पर स्वयं को संबद्ध किया जा सके। इसके अंतर्गत अधिकतम दो वर्षों की अवधि के लिए 15 तक अध्येतावृत्तियां (80,000/-रुपये प्रतिमाह + आकस्मिक भत्ता) और 25 तक छात्रवृत्तियां (50,000/-रु. प्रतिमाह + आकस्मिक भत्ता) प्रदान की जाती हैं। अध्येतावृत्ति 04 बराबर छमाही किस्तों में जारी की जाती है।

4. टैगोर सांस्कृतिक परिसरों (टीसीसी) के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता

इस स्कीम का उद्देश्य मंच प्रस्तुतियों (नृत्य, नाटक और संगीत) के लिए प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, साहित्यिक कार्यकलापों, ग्रीन रुम आदि सुविधाओं और अवसंरचना युक्त सभागार जैसे नए बड़े सांस्कृतिक स्थानों के सृजन के लिए गैर-सरकारी संगठनों, न्यासों, सोसाइटियों, सरकार द्वारा प्रायोजित निकायों, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के सरकारी विश्वविद्यालयों, केन्द्रीय / राज्य सरकार की एजेंसियों / निकायों, नगर निगमों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह स्कीम मौजूदा सांस्कृतिक सुविधाओं (रबीन्द्र भवन, रंगशालाओं, बहुउद्देशीय सांस्कृतिक परिसरों आदि) के जीर्णोद्धार, नवीकरण, विस्तार कार्य, परिवर्तन, स्तरोन्नयन, आधुनिकीकरण के लिए सहायता भी प्रदान करता है। इस स्कीम के अंतर्गत 15 करोड़ रुपए तक की सहायता प्रदान की जाती है।

5. वयोवृद्ध कलाकारों हेतु वित्तीय सहायता

इस स्कीम का उद्देश्य 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयोवृद्ध कलाकारों, जिनकी वार्षिक आय 72000/- रुपये प्रति वर्ष से अधिक न हो, को प्रति माह 6000/- रुपये की दर से वित्तीय सहायता प्रदान करना है। स्कीम के अंतर्गत् पात्र होने के लिए यह अनिवार्य है कि कलाकारों ने अपनी सक्रिय आयु में कला, साहित्य आदि के अपने विशेष क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो या अभी भी दे रहे हों, लेकिन वृद्धावस्था के कारण अब अभावग्रस्त परिस्थितियों में रह रहे हैं।

6. सेवा भोज योजना

'सेवा भोज योजना' की स्कीम के अंतर्गत धर्मार्थ/धार्मिक संस्थाओं को जनता को मुफ्त भोजन वितरित किए जाने के लिए विशिष्ट कच्ची खाद्य सामग्रियों की खरीद पर उनके द्वारा भुगतान किए गए केन्द्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) और केन्द्र सरकार के एकीकृत माल एवं सेवा कर (आईजीएसटी) की हिस्सेदारी की प्रतिपूर्ति भारत सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के रूप में की जाती है। सेवा भोज योजना स्कीम के अंतर्गत गुरुद्वारा, मंदिर, धार्मिक आश्रम, मस्जिद, दरगाह, गिरजाघर, मठ, बौद्ध मठ आदि जैसे धर्मार्थ/धार्मिक संस्थाओं द्वारा वितरित किए जाने वाले मुफ्त 'प्रसाद' या मुफ्त भोजन या मुफ्त 'लंगर'/'भंडारा' (सामुदायिक रसोई) आदि शामिल हैं।

7. अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षा हेतु स्कीम :

यह स्कीम संस्कृति मंत्रालय द्वारा 2013 में विभिन्न संस्थाओं, समूहों, गैर-सरकारी संगठनों आदि को पुनः सक्रिय करने और पुनः जीवन्त बनाने के उद्देश्य से देश की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं की संरक्षा के लिए आरंभ की गई थी ताकि

वे भारत की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के सुदृढ़ीकरण, संरक्षण, परिरक्षण और संवर्धन के लिए कार्यकलाप/परियोजनाएं आयोजित कर सकें।

8. गांधी विरासत स्थल मिशन (जीएचएसएम) और राष्ट्रीय पुरस्कार स्कीम

गांधी शांति पुरस्कार (जीपीपी), टैगोर सांस्कृतिक सद्भावना पुरस्कार और गांधी विरासत स्थल मिशन (जीएचएसएम) बजट आवंटन के अनुसार कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई) के तहत आते हैं। मिशन का अधिदेश मान्यताप्राप्त स्थलों को भावी पीढ़ी के लिए परिरक्षित करना और संरक्षण प्रयासों, अनुरक्षण या परिरक्षण प्रयासों की देखरेख करना, मार्गदर्शन प्रदान करना एवं सहायता प्रदान करना तथा गांधी जी से संबंधित मूर्त, साहित्यिक एवं दृश्य विरासत के डाटाबेस का सृजन करना है।

'गांधी शांति पुरस्कार' अहिंसात्मक और गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूपांतरण के लिए प्रदान किया जाता है।

'टैगोर सांस्कृतिक सद्भावना पुरस्कार' सांस्कृतिक सद्भाव के मूल्यों का संवर्धन करने के लिए प्रदान किया जाता है।

अनुलग्नक-II

'कला संस्कृति विकास योजना का कार्यान्वयन' के संबंध में दिनांक 4 दिसम्बर, 2023 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 121 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

स्कीम का नाम	2019-2020	2020-2021	2021-2022	2022-2023	2023-24 (अब तक)
	लाभार्थियों की सं. (व्यक्ति/ संगठन)	लाभार्थियों की सं. (व्यक्ति/संगठन)	लाभार्थियों की सं. (व्यक्ति/ संगठन)	लाभार्थियों की सं. (व्यक्ति/ संगठन)	लाभार्थियों की सं. (व्यक्ति/ संगठन)
गुरु-शिष्य परंपरा के संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता (रेपर्टरी अनुदान)	574	529	573	1013	754
वयोवृद्ध कलाकारों हेतु वित्तीय सहायता की स्कीम	3188	2000	3020	3651	2694
संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को अध्येतावृत्ति प्रदान करने की स्कीम	974	982	346	980	405
विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों हेतु छात्रवृत्ति की स्कीम	1086	1265	1206	396	1116
सांस्कृतिक शोध के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	5	7	7	-	1
राष्ट्रीय महत्व के सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता	8	6	6	15	8
सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान	975	1468	1615	2136	1319
हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण एवं विकास के लिए	96	128	203	225	83

वित्तीय सहायता					
बौद्ध/तिब्बती कला और संस्कृति के विकास के लिए वित्तीय सहायता	142	276	367	401	12
स्टूडियो थियेटर सहित निर्माण अनुदान हेतु वित्तीय सहायता	26	29	22	21	2
संबद्ध सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिए वित्तीय सहायता	20	-	-	-	-
टैगोर सांस्कृतिक परिसरों (टीसीसी) के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता	4	1	2	01	03

अनुलग्नक-III

'कला संस्कृति विकास योजना का कार्यान्वयन' के संबंध में दिनांक 4 दिसम्बर, 2023 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 121 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों हेतु छात्रवृत्ति की स्कीम (एसवाईए)

(लाख रुपये में)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	वित्तीय वर्ष									
		2019-2020		2020-2021		2021-2022		2022-2023		2023-24 (अब तक)	
		विद्वानों की सं.	राशि (रु.)	विद्वानों की सं.	राशि (रु.)	विद्वानों की सं.	राशि (रु.)	विद्वानों की सं.	राशि (रु.)	विद्वानों की सं.	राशि (रु.)
1.	आंध्र प्रदेश	20	6.00	21	6.30	20	6.00	03	0.90	06	1.80
2.	अरुणाचल प्रदेश	6	1.80	8	2.40	08	2.40	01	0.30	04	1.20
3.	असम	62	18.60	59	17.70	56	16.80	28	8.40	62	18.60
4.	बिहार	36	10.80	45	13.50	43	12.90	16	4.80	44	13.20
5.	चंडीगढ़	3	0.90	2	0.60	03	0.90	03	0.90	05	1.50
6.	छत्तीसगढ़	29	8.70	35	10.50	35	10.50	10	3.00	36	10.80
7.	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	60	18.00	58	17.40	72	24.00	21	6.30	49	14.70
8.	गोवा	2	0.60	4	1.20	04	1.20	02	0.60	04	1.20
9.	गुजरात	17	5.10	25	7.50	26	7.80	05	1.50	18	5.40
10.	हरियाणा	25	7.50	30	9.00	22	6.60	05	1.50	18	5.40
11.	हिमाचल प्रदेश	4	1.20	8	2.40	04	1.20	-	-	03	0.90
12.	संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर	13	3.90	20	6.00	16	4.80	01	0.30	08	2.40
13.	झारखंड	17	5.10	13	3.90	17	5.10	08	2.40	19	5.70
14.	कर्नाटक	63	18.90	105	31.50	80	24.00	30	9.00	67	20.10
15.	केरल	52	15.60	91	27.30	74	22.20	20	6.00	49	14.70
16.	मध्य प्रदेश	105	31.50	120	36.00	128	38.40	27	8.10	106	31.80
17.	महाराष्ट्र	111	33.30	130	39.00	132	39.60	40	12.00	91	27.30
18.	मणिपुर	31	9.30	30	9.00	30	9.00	07	2.10	28	8.40
19.	मिजोरम	1	0.30	1	0.30	01	0.30	-	-	-	-
20.	ओडिशा	61	18.30	72	21.60	75	22.50	25	7.50	77	23.10
21.	पुदुचेरी	3	0.90	2	0.60	02	0.60	-	-	-	-
22.	पंजाब	10	3.00	16	4.80	14	4.20	04	1.20	08	2.40
23.	राजस्थान	21	6.30	20	6.00	21	6.30	10	3.00	27	8.10
28.	सिक्किम	-	-	1	0.30	02	0.60	01	0.30	02	0.30
29.	तमिलनाडु	21	6.30	26	7.80	37	11.10	18	5.40	35	10.50
30.	तेलंगाना	4	1.20	13	3.90	12	3.60	03	0.90	09	2.70

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	वित्तीय वर्ष									
		2019-2020		**2020-2021**		**2021-2022**		**2022-2023**		**2023-24 (अब तक)**	
		विद्वानों की सं.	राशि (रु.)	विद्वानों की सं.	राशि (रु.)	विद्वानों की सं.	राशि (रु.)	विद्वानों की सं.	राशि (रु.)	विद्वानों की सं.	राशि (रु.)
31.	त्रिपुरा	4	1.20	3	0.90	03	0.90	02	0.60	09	2.70
32.	उत्तराखंड	9	2.70	12	3.60	08	2.40	03	0.90	13	3.90
33.	उत्तर प्रदेश	132	39.60	134	40.20	153	45.90	35	10.50	102	30.60
33.	पश्चिम बंगाल	164	49.20	161	48.30	195	58.50	67	20.10	216	64.80
कुल		**1086**	**325.80**	**1265**	**379.50**	**1293**	**390.30**	**395**	**118.50**	**1115**	**334.20**

अनुलग्नक-IV

'कला संस्कृति विकास योजना का कार्यान्वयन' के संबंध में दिनांक 4 दिसम्बर, 2023 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 121 के भाग (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

2019-20 से 2022-2023 और वर्तमान वर्ष (अब तक) के दौरान संस्कृति मंत्रालय और उसके संगठनों के मुख्य कार्यकलाप

- वापस प्राप्त किए गए पुरावशेषों के लिए पुराने किले की खाली पड़ी कोठरियों में एक गैलरी का उद्घाटन 31 अगस्त, 2019 को किया गया।
- विदेश से पुरावस्तुएं (13) वापस प्राप्त की गईं।
- इस अवधि के दौरान 17 और स्मारकों/स्थलों को शामिल किया गया जिससे एएसआई के संरक्षण के अधीन कुल स्मारकों/स्थलों की संख्या 3693 हो गई है।
- एएसआई ने बेकल किला, कासरगोड के उत्खनन में प्राप्त 40 पुरावशेषों को एनएमएमए टेम्प्लेट में प्रलेखित किया और ऑनलाइन अपलोड किया।
- लद्दाख में सासेर ला पास के निकट लगभग 13500-14000 फीट की ऊंचाई पर एक स्थल पर उत्खनन कार्य किया गया पुराना किला (दिल्ली), कलिबंगन और बिंजोर (राजस्थान), लोथल और धौलावीरा (गुजरात) और सन्नति (कर्नाटक) में पुरातात्विक स्थल का विकास कार्य, भारत के बाहर कम्बोडिया, लाओस, म्यांमार और वियतनाम में संरक्षण कार्य किया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, दिल्ली परिमंडल द्वारा खिड़की मस्जिद के संरक्षण कार्य के दौरान इस स्मारक के परिसर में मध्यकाल के 254 तांबे के सिक्के मिले।
- 'स्वच्छ भारत-स्वच्छ स्मारक' - एएसआई के सभी संरक्षित ऐतिहासिक स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों को पॉलिथीन मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया है। एएसआई ने शौचालयों, हरे बगीचों, पॉलिथीन मुक्त क्षेत्र, जानकारी के लिए संकेतकों, दिव्यांगजन की सुविधा, पेयजल और कूड़ेदान के लिए प्रावधान आदि जैसी सुविधाओं संबंधी स्वच्छता मानदंडों के आधार पर सर्वोत्कृष्ट 25 आदर्श स्मारकों को रैंकबद्ध किया है। विश्व धरोहर स्थल, "रानी की वाव (गुजरात)" को देश का सबसे स्वच्छ आइकॉनिक स्थान घोषित किया गया है।
- दिल्ली में भारत के प्रधानमंत्रियों पर संग्रहालय का शिलान्यास किया गया। इस संग्रहालय का उद्देश्य प्रधानमंत्रियों के जीवन, कार्यों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को विशेष रूप से प्रदर्शित करना है।
- हमारी अमूल्य धरोहर को संरक्षित करने और नागरिकों में सांस्कृतिक जागरूकता पैदा करने के लिए प्रीमियर संग्रहालयों द्वारा कई पहलें की गई हैं जो निम्नानुसार हैं :-
- कोविड-19 महामारी के दौरान, भारतीय संग्रहालय, कोलकाता ने ''विश्व संस्कृतियों की कहानियां'' बैनर के तहत ऑनलाइन व्याख्यान, वर्चुअल गैलरी दौरा और प्रदर्शन के माध्यम

से दर्शकों को आकर्षित किया। भारतीय संग्रहालय सोशल मीडिया हैंडलों के माध्यम से 'विश्व संस्कृतियों की कहानियों के 80 एपिसोड प्रसारित किए गए और कार्यक्रमों को तीन भागों में बांटा गया - शैक्षणिक व्याख्यान, बहु-सांस्कृतिक कार्यक्रम और बच्चों एवं दिव्यांग बच्चों के लिए कार्यक्रम।

- राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, कोलकाता संस्कृति मंत्रालय की एसपीओसीएस स्कीम के तहत पालमपुर (हिमाचल प्रदेश), गया (बिहार), कोट्टायम (केरल) और कोकराझाड़ (असम) में नए विज्ञान केंद्रों की स्थापना करने के लिए कार्य कर रहा है।
- वर्ष 2019 से 2021 तक (i) शिलांग विज्ञान केंद्र, शिलांग (मेघालय); (ii) गोवा विज्ञान केंद्र, पणजी (गोवा); (iii) जिला विज्ञान केंद्र, पुरूलिया (पश्चिम बंगाल); और (iv) क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में नए 04 (चार) नवाचार केंद्रों का उद्घाटन किया गया और सोलापुर विज्ञान केंद्र, सोलापुर (महाराष्ट्र) और अन्ना विज्ञान केंद्र, त्रिचि (तमिलनाडु) में 02 (दो) नए नवाचार केंद्र का कार्य पूरा हो गया है और ये उद्घाटन के लिए तैयार है।
- एनसीएसएम के तहत मौजूदा विज्ञान शहरों /संग्रहालयों /केंद्रों में विभिन्न विज्ञान और तकनीकी विषयों पर 03 (तीन) नई गैलरियों का उद्घाटन किया गया।
- एनसीएसएम के तहत मौजूदा विज्ञान शहरों/संग्रहालयों /केंद्रों में 23 (तेईस) नई सुविधाएं शामिल की गईं।
- दिनांक 12.01.2020 को विक्टोरिया मेमोरियल हॉल (वीएमएच), कोलकाता ने विभिन्न पुनः निर्मित गैलरियों का उद्घाटन किया यथा, एंट्रेंस गैलरी (वीएमएच निर्माण कार्य को दर्शाने वाली), पोर्ट्रेट गैलरी (वीएमएच संग्रह के नए प्रदर्शों के साथ, जिसमें अबनीन्द्रनाथ टैगोर की आइकॉनिक वाटर कलर रचना- भारत माता शामिल है), रॉयल गैलरी (वासले वेरेशजिन द्वारा एक ही कैनवास में दूसरी सबसे बड़ी ऑयल पेंटिंग-जयपुर प्रोसेशन का प्रदर्शन) और प्रथम तल गैलरी परिसर (राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली से मिनिएचर और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद् से मिनी एक्जिबिशन टॉकिंग डिवाइस का प्रदर्शन)
- इलाहाबाद संग्रहालय, प्रयागराज ने आजाद गैलरी का अवसंरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया है जो स्वतंत्रता के 1857 की क्रांति की विशेषताएं और नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह और दुर्गा भाभी आदि के संबंध में वस्तुएं, दस्तावेज का प्रदर्शन करेगी।
- हमारे देश की अतुल्य परंपरा, संस्कृति, धरोहर और विविधता की भावना का कीर्तगान करने हेतु मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल आदि में राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव आयोजित किए गए। इस महोत्सव का व्यापक उद्देश्य भारतीय मूल तत्व की धरोहर को परिरक्षित, संवर्धित एवं लोकप्रिय बनाना, नई पीढ़ी को हमारी संस्कृति से पुनः जोड़ना तथा देश और पूरे विश्व के समक्ष विविधता में एकता की हमारी सॉफ्ट पावर को प्रदर्शित करना है।

- संगीत नाटक अकादेमी ने उक्त अवधि के दौरान 86 महोत्सव आयोजित किए। कई नए कार्यक्रम यथा अभिव्यक्ति, अंतरंग और दीक्षा आदि सहित 372 ऑनलाइन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।
- नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस) के सहयोग से एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) के अंतर्गत, जेडसीसी द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 1620 कलाकारों ने भाग लिया; संगीत नाटक अकादेमी द्वारा 11 व्याख्यान-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए; साहित्य अकादेमी द्वारा 5 पुस्तकों का अनुवाद किया गया; भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा 3 कार्यकलाप (अब तक) आयोजित किए गए।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी): जुलाई, 2020 से जनवरी, 2023 तक ईबीएसबी के अंतर्गत 248 ऑनलाइन और 330 वास्तविक कार्यकलाप/कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- मंत्रालय ने 'भारतीय सांस्कृतिक पोर्टल' नामक पोर्टल की संकल्पना तैयार की है जो एक ज्ञान आधारित समाज के सृजन हेतु लोगों को सशक्त बनाएगा और भावी पीढ़ी के लिए डिजिटल सामग्री का परिरक्षण सुनिश्चित करेगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई को इस पोर्टल- सुविधा को तैयार करने का कार्य सौंपा गया है।
- राष्ट्रीय संस्मारक प्राधिकरण के ऑनलाइन आवेदन और संसाधन प्रणाली (एनओएपीएस) के माध्यम से आवेदन पत्रों की सिंगल विंडो निकासी के लिए वेब पोर्टल तैयार किया जा रहा है।
- मंत्रालय ने 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए इस अवसर पर एक नागरिक केंद्रित वेब पोर्टल शुरू किया है। यह पोर्टल महोत्सव के भाग के रूप में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यकलापों में मंत्रालयों/विभागों/राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों/संबंधित निकायों और नागरिकों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए लिए एक डिजिटल प्लेटफार्म के रूप में काम करेगा।
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) ने 'वैदिक विरासत' पोर्टल के प्रायोगिक संस्करण की शुरुआत की है।
- कई देशों में भारत महोत्सव आयोजित किए गए।
- उक्त अवधि के दौरान "भारत विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटी स्कीम" के अंतर्गत 78 मिशनों को शामिल करते हुए 534 विदेश मैत्री सोसाइटियों को निधियां संस्वीकृत की गईं।
- गांधी विरासत स्थल मिशन ने कई परियोजनाएं आरंभ की हैं जैसे कि नोआखली (बांग्लादेश) में गांधी आश्रम ट्रस्ट का स्तरोन्नयन और आधुनिकीकरण; गांधी स्मारक संग्रहालय, बैरकपुर, कोलकाता का स्तरोन्नयन; पीटरमैरिट्जबर्ग रेलवे स्टेशन, दक्षिण अफ्रीका में स्थायी प्रकृति की प्रदर्शनियां लगाना और गांधी विरासत स्थलों से संबंधित डेटाबेस तैयार करना। विशेष गांधी विरासत पोर्टल अर्थात www.gandhiheritageportal.org का सृजन किया गया।

- 'कला संस्कृति विकास योजना (केएसवीवाई)' नामक केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के विभिन्न स्कीम घटकों के अंतर्गत वर्चुअल/ऑनलाइन माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम/कार्यकलाप आयोजित करने हेतु दिशानिर्देश जारी किए गए ताकि वर्तमान संकट की स्थिति पर काबू पाने के लिए वित्तीय सहायता जारी रखी जा सके।
- राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएच) ने देश में सांस्कृतिक जागरूकता के साथ-साथ प्रतिभा खोज की शुरूआत की। गोवर्धन, शिमोगा, थानेसर, चौरी-चौरा और सरायकेला में 05 राष्ट्रीय सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एक सुदृढ़ पोर्टल और ऐप बनाने पर मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया गया।
- लाल किला परिसर में 'शिक्षा, अनुभव और आर्थिक मूल्यवर्धन' अधिदेश के साथ एक आत्मनिर्भर भारत डिजाइन केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है जो भारत के जीआई उत्पादों को आत्मनिर्भर भारत की सफलता की कहानियों के रूप में उजागर करेगा।
- माननीय प्रधानमंत्री ने 23 जनवरी, 2021 को विक्टोरिया मेमोरियल हाल, कोलकाता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के वर्ष भर चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रत्येक वर्ष 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में घोषित करने के लिए एक राजपत्र अधिसूचना जारी की गई।
- विक्टोरिया मेमोरियल हॉल (वीएमएच), कोलकाता ने 'निर्भीक सुभाष'- 'एक मल्टी मीडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर लगाई गई एक स्थायी प्रदर्शनी थी, नेताजी पर 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग शो, 23 जनवरी, 2021 को माननीय संस्कृति मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 'लैटर्स ऑफ नेताजी' पुस्तक का विमोचन और स्मारक सिक्के का लोकार्पण और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की स्मृति में डाक टिकट जारी किया गया।
- माननीय प्रधानमंत्री ने एनजीएमए, दिल्ली द्वारा 23 जनवरी, 2021 को स्वतंत्रता के लिए नेताजी के महान संग्राम के संबंध में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।
- भारत के माननीय उप राष्ट्रपति ने माननीय प्रधानमंत्री के साथ महात्मा गांधी के 73वें शहीद दिवस की स्मृति में 30 जनवरी, 2021 को गांधीजी के शहीद स्थल, गांधी स्मृति पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।
- माननीय प्रधानमंत्री ऐतिहासिक दांडी यात्रा की 91वीं वर्षगांठ के स्मरणोत्सव पर 12 मार्च, 2021 को साबरमती, अहमदाबाद से 25 दिवसीय - 386 किलोमीटर लंबी प्रतीकात्मक 'दांडी यात्रा' की शुरुआत की।
- माननीय प्रधानमंत्री ने साबरमती आश्रम से 12 मार्च, 2021 को 'आजादी का अमृत महोत्सव' का शुभारंभ किया जो प्रगतिशील भारत और इसकी जनता, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास के 75 वर्षों का समारोह मनाने के लिए हमारी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ तक महोत्सव मनाए जाने के लिए 75 सप्ताह पहले शुरू की गई।

- 20 जनवरी को ब्रह्मा कुमारीज़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'आज़ादी का अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सात पहलें : मेरा भारत स्वस्थ भारत, आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर किसान, महिलाएं- भारत की ध्वजवाहक, पाव ऑफ पीस बस, अनदेखा भारत साइकिल रैली, यूनाइटेड इंडिया मोटरबाइक अभियान और स्वच्छ भारत अभियान के तहत कुछ हरित पहल शामिल हैं।
- आज़ादी का अमृत महोत्सव (अकाम) के दौरान अकाम बैनर के अंतर्गत 1.6 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अगस्त 2021 के दौरान अकाम पहलों के तहत किए गए कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर जनभागीदारी देखी गई। "राष्ट्रगान" प्रयासों में राष्ट्रगान गाने में रिकॉर्ड संख्या में भारतीयों की भागीदारी देखी गई। शुरुआत से ही, आज़ादी का अमृत महोत्सव ने जागरूकता बढ़ाने और स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों को उजागर करने और जनता को उन व्यक्तियों के प्रति श्रद्धांजलि देने में सक्षम बनाने के लिए विशेष प्रयास किया है जिन्होंने स्वतंत्रता को संभव बनाया। धारा आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत भारतीय ज्ञान प्रणाली को समर्पित एक विशेष पहल है। 'धारा: प्राचीन भारतीय ज्ञान पद्धति' इस दिशा में संस्कृति मंत्रालय की प्रमुख पहल है। इसकी संकल्पना भारत की सभ्यतागत उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाले विशिष्ट क्षेत्रों के लिए समर्पित व्याख्यानों और चर्चाओं की एक श्रृंखला के रूप में की गई है।
- बुद्ध पूर्णिमा दिवस का आयोजन 30 अप्रैल, 2021 को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली में किया गया। माननीय प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया जिसमें बड़ी संख्या में उच्च स्तर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।
- 26 मई, 2021 को वैशाख-बुद्ध पूर्णिमा दिवस का आयोजन किया गया।
- राष्ट्रपति भवन में 24 जुलाई, 2021 को आषाढ़ पूर्णिमा- धर्म चक्र वैश्विक समारोह आयोजित किया गया। भारत के माननीय राष्ट्रपति ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।
- माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 16 मई 2022 को नेपाल के लुंबिनी में स्थित महा माया देवी मंदिर (भगवान बुद्ध की जन्म स्थली) का दौरा किया और भारत द्वारा लुंबिनी मठ क्षेत्र में बनाए जा रहे भारत अंतरराष्ट्रीय बौद्ध धर्म केंद्र की आधारशिला रखी।
- संस्कृति मंत्रालय के तहत अनुदानग्राही निकाय अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने आजादी का अमृत महोत्सव के भाग के रूप में, 13 जुलाई, 2022 को उत्तर प्रदेश के सारनाथ में वैशाख बुद्ध पूर्णिमा समारोह और **आषाढ़ पूर्णिमा दिवस** का आयोजन किया। उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल ने इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।
- संस्कृति मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से 20 अप्रैल, 2023 को नई दिल्ली में पहला वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन आयोजित किया।

- एनजेडसीसी, पटियाला द्वारा 22 से 25 सितम्बर, 2021 के दौरान तुरतुक और संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख के निकटवर्ती 4 गांवों में चोरबाट मुक्ति की स्वर्ण जयंती वर्षगांठ मनाई गई।
- संस्कृति मंत्रालय लुंबिनी मठ क्षेत्र, नेपाल में "भारत अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्कृति और विरासत केंद्र" के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। इस परियोजना को 95.99 करोड़ रूपये की कुल लागत से मंजूरी दी गई है।
- कुशीनगर, उत्तर प्रदेश में महापरिनिर्वाण मंदिर में 20 अक्तूबर, 2021 को अभिधम्म दिवस और श्रीलंका से लाए गए पवित्र बौद्ध अवशेषों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री उपस्थित थे और इसमें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ के प्रमुख राजदूतों, केन्द्र और राज्य सरकार के अधिकारियों आदि ने बड़ी संख्या में भाग लिया।
- पिपरहवा में उत्खनन के दौरान प्राप्त बुद्ध के अवशेषों के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय के पास तत्कालीन एएसआई मुख्यालय भवन में एक संग्रहालय विकसित किया जा रहा है। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में अजंता के संबंध में एक वर्चुअल अनुभवजन्य संग्रहालय सृजित किया गया है जबकि राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली के पास तत्कालीन एएसआई मुख्यालय भवन में बौद्ध धर्म को समर्पित एक संग्रहालय का विकास किया गया है।
- आईजीएनसीए द्वारा राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के अंतर्गत 31.03.2022 तक मंगोलियाई कंजुर (कंजुर में बुद्ध के प्रवचन शामिल हैं) के 108 खंडों का अनुवाद और मुद्रण कार्य पूरा किया गया है।
- नव नालन्दा महाविहार ने पालि त्रिपिटक का पूरा सेट देवनागरी में 41 खंडों में पुनर्मुद्रित किया है।
- नव नालन्दा महाविहार द्वारा पालि और हिंदी शब्दकोश तैयार किए गए हैं जिनके पांच खंड प्रकाशित हो चुके हैं।
- "पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण और संरक्षण" में विभिन्न बौद्ध संस्थान कार्य कर रहे हैं; जो एक सतत प्रक्रिया है। अब तक 1500 खंडों में 362211 फोलियो वाले 27 प्रमुख शीर्षकों की डिजिटल प्रतियां, पांडुलिपियों के माइक्रोफिश और माइक्रो फिल्म के 38051 शीर्षक और 306 फोलियों को सीआईएचटीएस सारनाथ द्वारा डिजिटीकृत किया गया है।
- "एम्बिट ऑफ वितस्ता : कश्मीर फेस्टिवल" के अवसर पर 24-25 जून, 2025 को एसकेआईसीसी सेमिनार हाल, श्रीनगर, संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर में साहित्य अकादेमी और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा "बौद्ध धर्म और कश्मीर" के संबंध में दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन बड़े पैमाने पर स्थानीय भागीदारी के साथ किया गया।
- आजादी का अमृत महोत्सव के भाग के रूप में संगीत नाटक अकादेमी ने वाराणसी में 27 से 29 अक्तूबर, 2021 को 'अमृत स्वरधारा' - नृत्य एवं संगीत का महोत्सव आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय संस्कृति राज्य मंत्री, श्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा किया गया।

- माननीय प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर इंडिया गेट के निकट मंडप में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के होलोग्राम का उद्घाटन किया। उन्होंने घोषणा की कि अगले छह माह के भीतर इस मंडप में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की ग्रेनाइट की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।
- संस्कृति मंत्रालय द्वारा 26 जनवरी, 2022 की गणतंत्र दिवस परेड के दौरान श्री अरबिन्दो की 150वीं जयंती से संबंधित झांकी प्रदर्शित की गई।
- 'राष्ट्रीय युवा दिवस' और स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मुख्य भाषण प्रस्तुत किया गया। एनएसएस और एनवाईकेएस द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। आर. के. मिशन द्वारा इस अवसर पर अखिल भारतीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने तीन मूर्ति परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 14.04.2022 को प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन किया।
- एसपीओसीएस के अंतर्गत विगत दो दशकों में मंत्रालय द्वारा कुल 130 विज्ञान केंद्र/नवाचार केंद्र/डिजिटल तारामंडल विकसित किए गए। इनमें से 73 को 2014 के बाद से विकसित किया गया है, जो विज्ञान की संस्कृति के संवर्धन हेतु स्कीम (एसपीओसीएस) के अंतर्गत कुल विकास का 56% है।
- इंडिया गेट पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 08 सितंबर 2022 को प्रसिद्ध राजपथ को लोक स्वामित्व और सशक्ति□करण' का प्रति□निधित्व करने वाले "कर्तव्य पथ" के नए नाम से लोकार्पित किया गया। उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रति□मा का भी उद्घाटन किया। 28 फुट ऊंची यह प्रति□मा, भारत में सबसे बड़ी, सबसे जीवंत, एक पत्थर से बनी और हस्तनिर्मित मूति□र्यों में से एक है।
- गुरू तेग बहादुर जी 400वीं जयंती के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल 2022 को लाल किले में आयोजित प्रकाश पर्व में शामिल हुए। उन्होंने सभा को संबोधित किया और एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया।
- कलांजलि, सेंट्रल विस्टा में संस्कृति□ मंत्रालय की एक सप्ताहांत कार्यक्रम पहल है जिसमें संवादपरक और मुक्ताकाश परिवेश में कला को प्रदर्शित किया गया। 2022 की अंति□म ति□माही में शुरू किए गए इस कार्यक्रम की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। नाटक, संगीत कार्यक्रम, नृत्य आदि सहित कार्यक्रमों की विविध श्रेणी है हर किसी को देखने के लिए भारत की जीवंत संस्कृति□ को उजागर कर रही है।

- अप्रैल 2019 से फरवरी 2023 तक 05 राष्ट्रीय स्तर महोत्सव, 349 क्षेत्रीय स्तर महोत्सव, 33 विलुप्त प्राय कला रूपों का पुनरुद्धार और 168 ब्रिजिंग शास्त्रीय और लोक कलाओं का प्रदर्शन पहले ही किया जा चुका है।

- 11 से 19 फरवरी, 2023 तक मुम्बई (महाराष्ट्र) में एक राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव (आरएसएस) का आयोजन किया गया। इस आरएसएम में भारत के सभी राज्यों से लगभग 1500 कलाकारों और कारीगरों ने भाग लिया। आगंतुकों की कुल संख्या 1.5 लाख (लगभग) थी। बीकानेर (राजस्थान) में 25 फरवरी से 5 मार्च 2023 तक एक और आरएसएम का आयोजन किया गया। इस आरएसएम में लगभग 1500 कलाकारों और कारीगरों ने भाग लिया। आगंतुकों की संख्या 02 लाख (लगभग) थी।

- "आजादी का अमृत महोत्सव" और "एक भारत श्रेष्ठ भारत' उत्सव के भाग के रूप में 30 मार्च 2023 से 03 अप्रैल, 2023 तक गुजरात में माधवपुर घेड़ मेला 2027 का आयोजन किया गया।

- गुजरात और तमिलनाडु के बीच इतिहास, कला और संस्कृति के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के मुख्य उद्देश्य से संस्कृति मंत्रालय और गुजरात सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 17 से 30 अप्रैल, 2023 तक सौराष्ट्र तमिल संगमम का आयोजन किया गया।

- डब्ल्यूजेडसीसी, उदयपुर द्वारा 05 सितंबर, 2023 को कोटा (राजस्थान), 22 से 24 सितंबर, 2023 को पुणे (महाराष्ट्र), और सेंट्रल पार्क, नई दिल्ली में 29 सितंबर से 02 अक्तूबर 2023 तक क्षेत्रीय स्तर के राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया।

- बीएचयू कैम्पस, वाराणसी में 17 नवंबर से 16 दिसंबर, 2022 तक काशी तमिल संगमम का आयोजन किया गया। महीने भर चलने वाले काशी तमिल संगमम कार्यक्रम के आयोजन के लिए नोडल प्राधिकरण शिक्षा मंत्रालय था जो एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) के बैनर के तहत इस अकाम एनआईसी कार्यक्रम का आयोजन कर रहा था। कार्यक्रम के लिए सांस्कृतिक इनपुट संस्कृति मंत्रालय की ओर से जेडसीसी (अर्थात् एनसीजेडसीसी, प्रयागराज और एसजेडसीसी, तंजावुर) आईजीएनसीए और एएसआई द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किए गए थे।

- संस्कृति मंत्रालय द्वारा रक्षा मंत्रालय की ओर से गणतंत्र दिवस समारोह 2022 और 2023 के तत्वावधान में वन्दे भारत नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से गणतंत्र दिवस परेड 2022 में प्रस्तुतीकरण के लिए 485 नर्तकों और गणतंत्र दिवस परेड 2023 में प्रस्तुतीकरण के लिए 479 नर्तकों का चयन किया गया था।

- भारतीय संस्कृति पोर्टल में वर्तमान में दुर्लभ पुस्तकों, ई-बुक्स, पांडुलिपियों, गजटियर्स और अन्य संसाधनों का एक बृहत संग्रह है। दिलचस्प, पढ़ने और समझने में सरल रूप में वर्णित मूल अभिलेखीय दस्तावेजों में आधारित कहानियां इस पोर्टल की विशेषताओं में से एक है। पोर्टल में भारत के विभिन्न राज्यों से व्यंजनों, त्योहारों, पेंटिंग, लोक कला और शास्त्रीय कला के संबंध में लेख और सुंदर चित्र भी शामिल हैं।
- माननीय संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री, श्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी में 25.11.2023 को ब्रेल मोबाइल पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया।
- विदेश में भारत महोत्सव (एफओआई) का आयोजन विदेशों में भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार और नृत्य और संगीत प्रस्तुतियों, खान-पान महोत्सव, प्रदर्शनियों, साहित्योत्सव, फिल्म महोत्सव, योग, कठपुतली, मेहंदी कला जैसी लोक कला आदि के माध्यम से लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य विदेश में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भारतीय कलाकारों और कला रूपों को प्रदर्शित करना और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देना है।
- एससीओ सदस्य राज्यों की साझा बौद्ध विरासत पर सम्मेलन 14 से 15, 2023 तक संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ' आईबीसी, जो इसके लिए नोडल संगठन है कि सहयोग से आयोजित किया गया। भारत, चीन (2), पाकिस्तान (1), रूस (2), ताजिकिस्तान (1-ऑनलाइन), बेलारूस (1-ऑनलाइन), बहरीन (1), म्यांमार (1) और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), (1) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बौद्ध धर्म के कई भारतीय विद्वानों ने भी भाग लिया।
- केन्द्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ में 45.91 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक सोवा-रिग्पा अस्पताल सह शिक्षण संस्थान का निर्माण किया जा रहा है और निर्माण कार्य पूर्ण हो रहा है।
- नव नालंदा महाविहार, नालंदा द्वारा 22.17 करोड़ रुपये की लागत से ह्वेन त्सांग के संबंध में एक पुरावेष संग्रहालय स्थापित किया जा रहा है।
- मंगोलियाई बौद्ध दिवस के अवसर पर 14 जून, 2022 को भगवान बुद्ध के पवित्र कपिलवस्तु अवशेषों को विधि एवं न्याय मंत्री, श्री किरेन रिजीजू के नेतृत्व में 25 संसदीय प्रतिनिधि मंडल के साथ 11 दिवसीय प्रदर्शनी के लिए मंगोलिया भेजा गया।

*****